an>

Title: Need to promote sale and use of indigenous consumer products

in the country.

श्री सुभाष चन्द्र बहेड़िया (भीलवाड़ा) ः भारतीय बाजार में विदेशी वस्तुओं का बोलबाला चिंताजनक है। भारत की इतनी बड़ी जनसंख्या और उसके कारण एक बड़ा बाजार विशेष रूप से चीन जैसे देश को मिला हुआ है। चीन में निर्मित वस्तुओं का भारतीय बाज़ार में चलन तेजी से बढ़ रहा है उसके पीछे उनका मूल्य कम होना विशेष कारण है। भारत सरकार और माननीय प्रधानमंत्री जी ने मेक इन इंडिया का नारा इस दौर में बुलन्द किया है उससे भारत में निर्मित वस्तुओं की मात्रा बढ़ेगी। भारत के लिए तो वे पर्याप्त होगी ही साथ ही हमारे देश का निर्यात भी बढ़ेगा परन्तु इसके लिए सरकार को इस दिशा में तेजी से प्रयास करने चाहिए कि आयात हतोत्साहित हो आयातित वस्तुओं का मूल्य बढ़े। हमारी टैक्स प्रणाली को इस दिशा में ले जाने की जरूरत है ताकि चीन जैसे देश जो भारतीय बाजार में अपना माल बेचकर बड़ा मुनाफा कमा रहे हैं एवं अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर रहे हैं एवं आर्थिक संसाधनों का हमारे ही विरूद्ध परोक्ष रूप से उपयोग कर रहे हैं उन्हें भारतीय बाजार से खदेड़ा जा सके तथा भारतीय उपभोक्ताओं को भारत में निर्मित सही वस्तु मिल सके।